PAPER-II
RAJASTHANI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

J 43 1 3

Time : **1 $^{1}/_{4}$** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal / polythene bag on the booklet. Do not accept a booklet without sticker-seal / without polythene bag and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील / पोलिथीन बैग को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील / बिना पोलिथीन बैग की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

RAJASTHANI
राजस्थानी
Paper – II
प्रश्नपत्र – II

नोट : इण प्रश्नपत्र मांय **पचास** (50) घण विकलपी सवाल है । हरेक सवाल सारू **दो** (2) अंक तय है । **सगळा** सवालां रा पड़ूत्तर देवणा जरूरी है ।

1. 'तणे' विभक्ति है

(A) कर्ता कारक री

(B) करण कारक री

(C) सम्बन्ध कारक री

(D) कर्म कारक री

2. नीचै लिखी किण ओळी रा सगळा नांव स्त्रीलिंग है ?

(A) भेड़की, पट्टु, साफो, कांबळ

(B) गऊ, छाबड़ी, खीर, टोगड़ी

(C) पगरखी, धोतियो, पोतियो, राखड़ी

(D) दळियौ, राब, छाह, दूध

3. 'झुक-झुक' शब्द सारू बोलीजै –

(A) लुल-लुल

(B) लुळ-लुळ

(C) ळुळ-ळुळ

(D) ळुल-ळुल

4. राजस्थानी रौ पै'लो काव्य मानीजै -

(A) भरतेश्वर बाहुबलि रास

(B) भरतेश्वर बाहुबलि घोर

(C) जीवदया रास

(D) चन्दनबाला रास

5. मेहोजी रौ प्रबन्ध काव्य है

(A) ब्यावलौ

(B) साखी संग्रै

(C) रामायण

(D) जंभसार

6. "परिघळ दीनी पहिरावणी हरखित नारी हुई खरी" – 'परिघळ' रौ मतळब है

(A) थोड़ी

(B) मोकळी

(C) खासी

(D) मामूली

7. राजस्थानी भाषा रौ उद्भव हुयौ

(A) शौरसेनी अपभ्रंश सूं

(B) मागधी अपभ्रंश सूं

(C) महाराष्ट्री अपभ्रंश सूं

(D) मरुगुर्जरी अपभ्रंश सूं

8. 'कुतियौ कादे में' कैतांणे रौ मतळब है

(A) कुतौ थाकग्यो

(B) कुतो जमी माथै बेठग्यौ

(C) माड़ी हालत

(D) भूखो आदमी

9. घटी फेरती लुगायां गाया करती

(A) हरजस

(B) लू'र

(C) आरती

(D) भिणत

10. 'पड़छी' सूं सिणगारीजै

(A) घोड़ौ

(B) बळद

(C) पाडौ

(D) ऊँट

11. 'राधा' काव्यकृति रा रचनाकार है

(A) सत्येन जोशी

(B) सत्यप्रकाश जोशी

(C) चन्द्रसिंह

(D) नेमनारायण जोशी

12. राणी लक्ष्मीकुमारी चूंडावत री ख्याति खास रूप सूं है

(A) कवयित्री

(B) राजनेता

(C) राजस्थानी-लेखिका

(D) समाज-सेविका

13. 'गण व्है गाऊं तूझ गुण, पावूं वीर प्रकास' आ ओळी किण कवि री काव्यकृति रै मंगळाचरण री है ?

(A) सूर्यमल्ल मिश्रण

(B) पृथ्वीराज राठौड़

(C) बांकीदास आसिया

(D) नरपति नाल्ह

14. स्वामी भक्त पन्नाधाय री कथा किण गढ़ सूं जुड़ियोड़ी है ?

(A) तारागढ़

(B) मांडलगढ़

(C) चितौड़गढ़

(D) महरानगढ़

15. कुणसौ सम्प्रदाय पर्यावरण री दीठ सूं प्राणां रौ बलिदान करण में सबसूं आगै र्‌यौ ?

(A) जसनाथी सम्प्रदाय

(B) बिश्नोई सम्प्रदाय

(C) लालदासी सम्प्रदाय

(D) रामस्नेही सम्प्रदाय

16. राजस्थानी शब्द 'आखड़ी' रौ मतळब है

(A) ठोकर लागणी

(B) पड़जावणौ

(C) किणी भांत री क्रिया कै कर्म नईं करणै रौ पण

(D) दौड़ती वेळां लारै नीं जोवणौ

17. 'रामदास वेरावत' रौ मतळब है

(A) वैर लेवणियौ रामदास

(B) वेरेजी रौ बेटो रामदास

(C) सूरवीर रामदास

(D) वीरवर रामदास

18. 'परमेसरा' री लोक उपाधि सूं कुणसौ कवि घण चावौ है ?

(A) ईसरदासजी

(B) विल्होजी

(C) केसोजी

(D) बांकीदासजी

19. "नेह नितम्बनी चुंबन करइ, राजा आलिंगन आचरइ ।" इण ओळी मांय कुणसे राजा अर कुणसी राणी रौ प्रसंग है ?

(A) ढोला-मरवण

(B) दुरजणसाल-लखांदे

(C) रतनसेन-पद्मिणी

(D) पृथ्वीराज-लालांदे

20. ऋषिवर्द्धन सूरि री काव्यकृतियाँ हैं

(A) डिंगल शैली री

(B) लौकिक शैली री

(C) संत शैली री

(D) जैन शैली री

21. 'प्रीति कियां दुख होय' ओळी मांय कारक है

(A) अधिकरण

(B) सम्बन्ध

(C) करण

(D) कर्ता

22. 'पाबूजी रा छन्द' रा रचयिता है

(A) शिवदास गाडण

(B) मेहा बीठू

(C) सूजो बीठू

(D) आसाणंद बारहठ

23. "जे करसी उणरी हुसी, आसी बिण नूतीह ।
अे नह किणरे बापरी, भगती रजपूतीह ।।"
औ दूहो किण काव्यकृति सूं लियोड़ो है ?

(A) सूर्यमल्ल मिश्रण रचित वीर सतसई

(B) नाथूदान महियारिया रचित वीर सतसई

(C) शिवदास गाडण रचित अचलदास खीची री वचनिका

(D) जगा खिड़िया रचित वचनिका महेसदासोत रतनसिंह री

24. रामस्वरूप 'किसान' किण पत्रिका रा सम्पादक है ?

(A) कथेसर

(B) माणक

(C) आगूंच

(D) अरथावणी

25. 'बैयर' रौ मतळब है

(A) छाळी

(B) लुगाई

(C) चमचेड़

(D) बोरड़ी

26. 'हळ' सूं जुड़ियोड़ो उपकरण है

(A) दातरौ

(B) हथोड़ौ

(C) हळबाणी

(D) दांतळी

27. "मूंछ कटौ मांजरो, अर छाती छीदा बाळ ।
जे तूं रूठै किरतार, इतरा पाहे टाळ ।।"
नीतिपरक लोकविश्वास रै इण कथन मांय 'मांजरौ' रौ मतळब है

(A) बाडो
(B) कायरौ
(C) कांणौ
(D) गंजौ

28. जांभाणी संत साहित्य मांय घण चावौ अर सिरै नांव है

(A) वील्होजी
(B) सुरजनदासजी
(C) सायबरामजी
(D) उदोजी

29. "नाडी भरियौ नीर, टाबरियौ झूलण गयौ ।
तरै न पूगौ तीर, वौ डूबौ ।"
औ छन्द है

(A) दूहो
(B) सोरठियौ दूहो
(C) सांकळियौ दूहो
(D) खोड़ियौ (लंगड़ियौ) दूहो

30. 'महपन में पय राम रे'
इण ओळी मांय काव्यदोष है

(A) नाळछेद
(B) अमंगळ
(C) अपस
(D) हीण

31. 'गाळ' शब्द रौ अरथ है

(A) गाल
(B) कपोल
(C) पाळ
(D) कोजा बोल

32. राजस्थानी रै ध्वनी परिवर्तन सिद्धान्त मुजब स्वर रै आदिलोप नियम रै कारण 'अकाल' शब्द बदल'र बण जावै

(A) दुकाळ
(B) सुकाळ
(C) काळ
(D) महाकाळ

33. "सोरठ गढ़ सूं उतरी, कर सोळै सिणगार ।
विणज गमाया व़ाणिये, बळद गमाया गिंवार ।।"
इण दूहे मांय 'गढ़' शब्द किसै गढ़ सारू है ?

(A) पूगळगढ़
(B) गढ़गिरनार
(C) चितौड़गढ़
(D) कूंभलगढ़

34. गोगाजी चौहाण पाबूजी राठौड़ रै लागै हा

(A) भतीजियौ जवाई
(B) भाणजौ
(C) बहनोई
(D) नानी सुसरौ

35. सांगै गौड़ रौ सम्बन्ध किण भक्त कवि सूं है ?

(A) रामनाथ कविया
(B) ईसरदास बारहठ
(C) पृथ्वीराज राठौड़
(D) माधोदास दधवाड़िया

36. माता करणीजी रौ पीयर हो गांव

(A) देशणोक में

(B) मथाणियै में

(C) सुआप में

(D) ओसियां में

37. "अइरे अकबरियाह, तेज तुहालो तुरकड़ा ।
नम-नम नीसरियाह, राण बिना सह राजवी ।।"
इण सोरठिये दूहे रा रचयिता है

(A) दुरसा आढ़ा

(B) पृथ्वीराज राठौड़

(C) मालासांदू

(D) अल्लूजी कविया

38. कवयित्री झीमा चारणी रौ सम्बन्ध किण शब्द-युगम सूं है ?

(A) उमादे-अचलदास खीची

(B) उमादे-मालदेव

(C) भारमली-व़ागौ

(D) अनारो-गजसिंह

39. 'क्रिसनजी री वेलि' रा रचयिता है

(A) पृथ्वीराज राठौड़

(B) सांखला करमसी रुणेचा

(C) माधोदास दधवाड़िया

(D) सांयाजी झूला

40. 'पंथी हाथ संदेसड़उ, धण बिललंती देह ।
पगसूं काढइ लीहटी, उर आँसुआँ भरेह ।।'
बटाऊ रै साथै औ संदेसौ कुण-किण नै देय र्‌यी है ?

(A) ऊजळी-जेठवा नै

(B) मरवण-ढोला नै

(C) सोरठ-बींझा नै

(D) मूमल-महेन्द्रा नै

41. पुराणी राजस्थानी री _____ रचना नीं है ।

(A) जंबूस्वामी रास

(B) बुद्धिरास

(C) आबू रास

(D) जिण हाथां आ रेत रचीजै ।

42. "वीरा रस सिणगार रस, हासा रस हित हेज ।
सामधरम रस सांभळउ, जिम होवइ तन तेज ।।"
औ दूहो लियोड़ौ है

(A) वीर सतसई सूं

(B) गोरा बादल चरित्र सूं

(C) द्रौपदी विनय सूं

(D) हाला-झालां राकुण्डळिया सूं

43. "दिखण पवन री गोद में, हींड्या हंस हंस का'ल ।
बैरण लूआं बाळिया, बेलां रा वै लाल ।।"
इण दूहे रौ अंगी काव्यरस है

(A) वीर रस

(B) हास्य रस

(C) करुण रस

(D) श्रृंगार रस

44. "मुझ सिर कमल मेच्छ पय लग्गइ,
तु गयणगणि भाण न उग्गइ ।"
औ कथन है

(A) महाराणा प्रताप रौ

(B) हम्मीर रौ

(C) अचलदास खीची रौ

(D) रणमल्ल रौ

45. "बिन बोलायउ बोलइ घणउ, बिन दियां लइ बेसणौ ।

बात गोठि अणरुचती करइ, काढंतांइ नवि नीसरइ ।।

बात करतउ आपइ हसइ, मन जाणइ हूं खरउ सुजाण ।

बिन तेड़यौ आवै फिरि-फिरि, मूरख जन रा अह अहनांण ।। "

नीतिपरक आं ओळियां री गिणत किण काव्य शैली में हुवै ?

(A) डिंगल शैली

(B) जैन शैली

(C) संत शैली

(D) लोक शैली

46. जसनाथी संत सम्प्रदाय में प्रधानता है

(A) सगुणोपासना री

(B) निर्गुण-निराकार ईश्वर री उपासना री

(C) तीरथ जातरा री

(D) गौ-चारण री

47. कविवर कन्हैयालाल सेठिया री 'लीलटांस' काव्यकृति मांय 'लीलटांस' रौ अभिप्राय है

(A) सुगन चिड़ी

(B) कोयल

(C) मुक्त जीवात्मा

(D) गोडावण

48. डॉ. आईदान सिंह भाटी री काव्यकृति 'आँख हींयै रा हरियल सपना' रौ प्रतिपाद्य है

(A) पौराणिक

(B) ऐतिहासिक

(C) समकालीन यथार्थ

(D) सांस्कृतिक

49. "पांवली कुत्ती'र पूंछ में कांगसियौ" मुहावरै रौ मतळब है

(A) ठाट-बाट

(B) बेमतळब रौ दिखावौ

(C) सही इलाज़

(D) जोरदार कांम

50. "विग्यान री छियां सूं दूर गांवां री नारी आपरै कुटम-कबीलै नै सेवै । साच री साख, सुख रा सुपनां नै पगां चालणो सिखावै । गांवां री ममता रा दरसण करणै रै कोड सूं सहरां रा लोग खेतां री रुत में सहर नैं छोड़'र गांवां रै जीवण रौ सुरंगो रूप देखण सारू बठै पूगै । भावना री अमरता, गांवां री नारी रै सुख रा सुपनां री बेल फळै-फूलै ।"

ऊपर लिख्यै गद्यांश रौ ओपतो-अजरौ सार वाक्य है

(A) गांवां री लुगायां मैणत सूं डरै ।

(B) गांवां री लुगायां रौ सुरंगो रूप देखण सारू लोग गांवां में जावै ।

(C) ममता, साच सारू आस्था, सुख सारू मंगळ भावना आदि लुगायां रा गुण सुख रा सपना साकार करै ।

(D) सुख फगत सपनै ज्यूं व्है ।

Space For Rough Work